हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 20 जुलाई 2026

11 बैठक में कर्मचारियों की सूची एवं उनके संपर्क नंबर ...

12 बिजली-पानी संकट से भड़के लोगों ने चार स्थानों पर...

खबर संक्षेप

हेरोइन बरामदगी मामले में तीसरा आरोपित पकड़ा

चरखी दादरी। दादरी पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ अभियान के तहत 9.55 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामदगी मामले में तीसरे आरोपित साहिल, निवासी गांव छपार, को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि चार जून को सीआईए स्टाफ ने घसौला मोड़ के पास नितिन को 9.55 ग्राम हेरोइन सहित पकड़ा था। जांच में राजेश का नाम सामने आया, जिसने नितिन को हेरोइन उपलब्ध कराई थी। मामले की आगे की जांच में साहिल की संलिप्तता सामने आने पर उसे गिरफ्तार किया गया। रविवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

8.30 ग्राम हेरोइन सहित युवक व सप्लायर दबोचा

चरखी दादरी। जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए स्टाफ ने गांव रासीवास निवासी रविंद्र उर्फ राहुल को 8.30 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने रासीवास-नरसिंहवास मार्ग पर डीएसपी कप्तान सिंह की मौजूदगी में तलाशी ली, जिसमें हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित ने हेरोइन रोहतक की इंद्रा कॉलोनी निवासी राजू से खरीदने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने राजू को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नहरी पानी की कमी की वजह से फसलें सूखने लगीं

कपास,ज्वार और बाजरे की फसल मुरझाने

अरमानों में बनी दरार, बिन बारिश कैसे फसल हो पार

अक्सर जून के अंतिम सप्ताह में मानसून आ जाती है और उसके बाद धान की रोपाई का कार्य शुरू हो जाता है परंतु इस बार प्रकृति के प्रकोप ने किसानों के अरमानों पर पूरी तरह से पानी फेर दिया

भिवानी। बिना बारिश सूखने लगी धान की फसल। फोटो : हरिभूमि

लक्ष्य के आधे तक ही पहुंच पाई रोपाई

कृषि विभाग के मुताबिक जिले में करीब सवा लाख एकड़ का लक्ष्य रखा गया था। बारिश न होने की वजह से टारगेट 60 फीसदी के आसपास पहुंचा। बारिश आई या नहरी पानी पहुंचा तो टारगेट पूरा हो जाएगा। वैसे यहाँ बताते चले कि धान की रोपाई का रकबा घटता व बढ़ता रहता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रोपाई को महज दस दिन का वक्त भी नहीं बीता होगा,लेकिन धान की फसल सूखने लगी है। न तो बारिश हुई है और नहरी पानी भी पूरी तरह से जवाब दे गया। जिस वजह से किसान के खेतों में धान के खेतों में मोटी मोटी दरारें फट गई है। जिस वजह से धान के कुछ पौधे तो उन दरारों में समा गए और बाकी बचे हैं वे बिना पानी के सूखने लगे है। फिलहाल किसानों ने धान की फसल पर जो अरमान संजाऐ थे। लगता है वे धान के खेतों में बनी दरारों में फंस गए। वहीं बिना बारिश व नहरी पानी के अभाव में कपास,ज्वार व बाजरे की फसल भी मुर्झाने लगी है। जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ नजर आने शुरू हो गई।

जुलाई माह का तीसरा सप्ताह बीतने को आया,लेकिन अभी तक न तो बारिश आई और न ही पर्याप्त नही पानी मिल पाया है। किसानों ने जुगाड़ करके ट्यूबवेलों से खेतों की सिंचाई की और धान की पौध रोपाई,लेकिन अब बारिश न आने से धान की पौध खेतों में सूखने लगी है। हालात ये बने है कि कई धान के खेतों में मोटी मोटी दरारे बन गई हैं। उनमें कुछ प्रतिशत धान की पौध समा गई। जो पौध बची है। वे गर्मी की वजह से झुलसने लगी। चूंकि अभी उन खेतों में पानी नहीं पहुंच पाया है। पानी न पहुंचने से धान के पौधे सूखने लगे है। अगर अगले एक दो दिनों तक इसी तरह तापमान व आसमान से सूर्य देव आग उगलते रहे तो जिन किसानों ने अपने खेतों में धान की फसलों की रोपाई की है। वे उस फसल से हाथ धो सकते हैं। फिलहाल किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है। क्योंकि किसानों ने डीजल तेल से ट्यूबवेल चलाकर धान की पौधों की रोपाई करवा दी,लेकिन बारिश न आने से धाने की पौधे सूखने लगे है। ऐसे में किसानों के सामने कोई समाधान नहीं है। उल्लेखनीय है कि धान की फसल इस माह में अच्छा खासा फुटाव कर लेती है और पौधे में फुटाव की वजह से बढ़वार भी बन जाती है। अक्सर जून के अंतिम सप्ताह में मॉनसून आ जाती है और उसके बाद धान की रोपाई का कार्य शुरू हो जाता है। पर इस बार प्रकृति के प्रकोप ने किसानों के सारे अरमानों पर पूरी तरह से पानी फेर दिया है।

लोहारू। ढाणी लक्ष्मण पुरा में आयोजित बैठक में उपस्थित लोग। फोटो : हरिभूमि

ढाणी लक्ष्मण के धर्मदास आश्रम के सामने होगी श्रद्धांजलि सभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

■ मनीषा मौत प्रकरण : पीड़ित परिवार 11 महीनों से न्याय के लिए लड़ रहा है लड़ाई

मनीषा मौत प्रकरण को लेकर गांव ढाणी लक्ष्मण में पूर्व सरपंच शिंभूराम की अध्यक्षता में गणमान्य लोगों की आवश्यक बैठक हुई। बैठक में पूरे मामले पर चर्चा की गई तथा ग्रामीणों ने न्याय के मामले को लेकर मंथन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने आगामी 13 अगस्त को प्रथम पुण्यतिथि के मौके पर गांव ढाणी लक्ष्मण के बाबा धर्मदास आश्रम के सामने श्रद्धांजलि सभा करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में लोगों ने पिछले 11 महीनों से न्याय की लड़ाई लड़ रहे मृतका मनीषा के परिजनों और विभिन्न संगठनों के लोगों के सहयोग पर चर्चा की गई। विचार मंथन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि एक सप्ताह पहले पिता संजय कुमार के साथ पांच लोगों को डेलीगेशन सीबीआई जांच टीम के साथ मिले थे। उन्होंने कहा कि मनीषा का रोहतक मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम परिवार के किसी भी सदस्य की सलाह के बगैर शासन व प्रशासन ने अपनी ही मर्जी से करवाया था। इन जांचों को संदेह के दायरे में रख संजय कुमार शीघ्र सीबीआई कोर्ट पंचकूला जाएंगे और भिवानी मेडिकल और रोहतक मेडिकल जांच कमेटी अधिकारियों पर आवेदन पत्र दर्ज कराएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने 90 दिन में सीबीआई जांच कराने का वायदा किया था लेकिन पीड़ित परिवार 11 महीनों से न्याय की लड़ाई लड़ रहा है।

दादरी के नागरिक अस्पताल में अब मिनटों में मिलेगी एक्स-रे रिपोर्ट

चरखी दादरी। दादरी जिला मुख्यालय पर स्थित नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को अब एक्स-रे जांच के लिए लंबे इंतजार से राहत मिलेगी। विभाग ने एक्स-रे कक्ष में अत्याधुनिक जापानी तकनीक से लैस नई डिजिटल एक्स-रे कैसेट शामिल की है। इस सुविधा के शुरू होने से एक्स-रे जांच की प्रक्रिया पहले की तुलना में काफी तेज हो जाएगी और मरीजों को कम समय में रिपोर्ट उपलब्ध कराई जा सकेगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार नई डिजिटल कैसेट की कीमत करीब 77 हजार रुपये है। इससे पहले विभाग में कैसेट की संख्या सीमित होने के कारण एक मरीज का एक्स-रे लेने के बाद उसकी प्रोसेसिंग और डेटा ट्रांसफर में समय लगता था। इसी वजह से अगले मरीज की जांच शुरू होने में देरी होती थी और एक्स-रे कक्ष के बाहर मरीजों की लंबी कतारें लग जाती थीं। अब इस तकनीकी कमी को दूर कर लिया गया है।

अत्याधुनिक जापानी तकनीक से लैस नई डिजिटल एक्स-रे कैसेट शामिल की

जल आपूर्ति योजनाओं में होगा सुधार, बिछाई जाएंगी नई पाइप लाइन

शुद्ध और पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता: श्रुति चौधरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सिंचाई एवं जल संसाधन और महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रुति चौधरी और पूर्व राज्यसभा सांसद किरण चौधरी द्वारा तोशाम हलके में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। हलके में जल आपूर्ति योजनाओं में बेहतर सुधार और पेयजल की नई सप्लाई लाइन बिछाने जाने के लिए करीबन साढ़े 40 करोड़ की नई परियोजनाएं मंजूर की गई हैं। नई परियोजनाओं से जलघरों में अतिरिक्त संरचनाओं का निर्माण कार्य किए जाने के अलावा विभिन्न गांवों में सप्लाई लाइनों के साथ-साथ विभिन्न ढाणियों के लिए भी सप्लाई लाइनें बिछाई जाएंगी।

सिंचाई एवं जल संसाधन और महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रुति चौधरी और पूर्व राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने बताया कि शुद्ध और पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वच्छ एवं निर्बाध जलापूर्ति के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मौजूदा जलघरों की क्षमता बढ़ाई जा रही है वहीं पुराने और जर्जर स्टोरेज टैंकों की मरम्मत और नए टैंकों का निर्माण करवाया जा रहा है। हलके में कहीं भी पीने के पानी की कमी नहीं आने दी जाएगी। सरकार प्रदेशवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पानी अमूल्य संसाधन है, इसलिए इसका दुरुपयोग न करें: मंत्री श्रुति चौधरी

मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि पानी एक अमूल्य संसाधन है, इसलिए इसका दुरुपयोग न करें और केवल आवश्यकता के अनुसार ही इस्तेमाल करें, ताकि सभी को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि क्षेत्र में जलापूर्ति में सुधार और नई पेयजल सप्लाई लाइनें बिछाने के लिए साढ़े 40 करोड़ से अधिक की नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। दो करोड़ 57 लाख से अधिक की लागत से गांव कुसुम्भी के जलघर में नई संरचनाओं के निर्माण के साथ ही पम्प हाउस से जलघर तक पाइप लाइन बिछाई जाएगी। मालवास देवसर और मालवास कोहाड़ के लिए 4 करोड़ 67 लाख 85 हजार की लागत से जलघर का निर्माण और जूई कैनाल से जलघर तक पानी की उपलब्धता के लिए पाइप लाइन लगाई जाएगी। 23 लाख से अधिक की लागत से गांव बागनवाला में डाडम रोड व झांवरी रोड पर स्थित ढाणियों तक पीने का पानी उपलब्ध करवाने के लिए पाइप लाइन लगाई जाएगी। 3 करोड़ 71 लाख से अधिक की लागत से गांव ढाब ढ़ाणी में जलापूर्ति योजना में सुधारीकरण, अतिरिक्त संरचनाओं का निर्माण और बची हुई गलियों में पाइप लाइन लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 20 लाख से अधिक की लागत से गांव दरियापुर में ढाणियों तक पीने का पानी पहुंचाने के लिए पाइप लाइन बिछाई जाएगी। दो करोड़ 15 लाख 48 हजार से अधिक की लागत से गांव हेतमपुरा में जलापूर्ति योजनाओं में सुधारीकरण, जलघर में पुरानी मशीनरी में बदलाव और सप्लाई लाइन बिछाई जाएंगी। 7 करोड़ 78 लाख से अधिक की लागत से गांव जूई कलां में जलापूर्ति योजनाओं के नवीनीकरण के अलावा पुरानी पड़ी सप्लाई लाइनों के स्थान पर नई सप्लाई लाइन बिछाई जाएंगी।

सीएम ने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने का संदेश दिया

■ सीएम सैनी ने विद्यालयों की एसएमसी सदस्यों से की सीधी ऑनलाइन बातचीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रदेशभर के सरकारी विद्यालयों की स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्यों के साथ ऑनलाइन संवाद कर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने का संदेश दिया।

इस दौरान बवानीखेड़ा खंड के विभिन्न विद्यालयों की एसएमसी सदस्यों ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विद्यालयों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। कलस्टर के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय इंचार्ज सुनील कुमार, सत्यवान, डॉ. नवीन कुमार, सहित समूचा विद्यालय स्टाफ व एसएमसी कमेटी प्रधान सुभाष चन्द्र समिति सदस्यों संग पहुंचे। मुख्यमंत्री ने संवाद के दौरान बताया गया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। विद्यालयों के विकास और विद्यार्थियों के सर्वांगीण उत्थान में स्कूल प्रबंधन समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने एसएमसी सदस्यों से विद्यालयों में नियमित रूप से निरीक्षण करने, विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने तथा शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान एसएमसी सदस्यों, अभिभावकों और शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सरकारी विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। स्कूलों में डिजिटल शिक्षा, खेल गतिविधियों और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बवानीखेड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय इंचार्ज सुनील कुमार के नेतृत्व में तमाम विद्यालय स्टाफ एवं एसएमसी कमेटी के सदस्यगण। फोटो : हरिभूमि

विधायक ने अरूट महाराज चौक का नामकरण और शिलान्यास किया

भिवानी। विधायक घनश्याम सर्राफ व नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने नारियल तोड़ कर सेक्टर 13 स्थित चौक का अरूट महाराजा के नाम नामकरण व शिलान्यास किया। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि हम सभी महाराजा अरूट के वंशज हैं। हमें अपने पूर्वजों पर गर्व है। हमारे पूर्वजों का गौरवशाली इतिहास रहा है। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने कहा कि हम भी क्षत्रिय है तथा अरूट के वंशज हैं। अरूट का साम्राज्य सिंध तक फैला हुआ था। सभी क्षत्रिय बाद में भिन्न-भिन्न जातियों में बंट गए। अरूट महाराजा ने भगवान श्रीराम की आठवीं पीढ़ी में जन्म लिया था। उन्होंने चौक का नाम महाराजा अरूट के नाम पर करने पर विधायक घनश्याम सर्राफ व नपा चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप का आभार जताया। मंच का संचालन करते हुए संजय कामरा ने महाराजा अरूट के जीवन पर प्रकाश डाला।

चरखी दादरी। शुभम गोयल को सम्मानित करते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल।

शुभम गोयल को मिला विकास रत्न सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

■ भारत विकास परिषद उत्तर क्षेत्र-2 ने मनाया अपना स्थापना दिवस

भारत विकास परिषद उत्तर क्षेत्र-2 के स्थापना दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में दादरी के युवा समाजसेवी शुभम गोयल को समाज सेवा, संगठनात्मक नेतृत्व और जनकल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए विकास रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। समारोह में प्रदेशभर से भारत विकास परिषद के पदाधिकारी, विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधि, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया, जिनमें शुभम गोयल का सम्मान प्रमुख आकर्षण रहा।

शुभम गोयल लंबे समय से सामाजिक, धार्मिक और जनहित के कार्यों में सक्रिय हैं। वर्तमान में वे भारत विकास परिषद, चरखी दादरी के जिला सह-समन्वयक, अग्रवाल सभा, चरखी दादरी के कार्यकारी महासचिव तथा श्री श्याम दीवाने सेवा दल के अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों में उनके निरंतर योगदान को देखते हुए उन्हें इस सम्मान से नवाजा गया। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि समाजहित में निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले युवाओं का सम्मान पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने शुभम गोयल के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ समाज सेवा जारी रखने की शुभकामनाएं दीं। शुभम गोयल ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों, वरिष्ठ पदाधिकारियों, सहयोगियों और शुभचिंतकों को दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव के साथ समाज के प्रति और अधिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा है।

परमसंत हुज़ूर कंवर साहेब ने साध-संगत को प्रवचनों से किया निहाल

मन में सब्र और संतोष लाने के लिए सत्संग आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

राधास्वामी आश्रम, दिनोद में आयोजित विशाल सत्संग में परमसंत हुजूर कँवर साहेब ने साध-संगत को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन के हित और कल्याण का वास्तविक मार्ग सत्संग से होकर जाता है। उन्होंने कहा कि मन में सब्र, संतोष और विवेक जागृत करने के लिए सत्संग अत्यंत आवश्यक है।

सत्संग ही वह साधन है जो मनुष्य के जीवन की दिशा बदल देता है और उसके साथ-साथ अनेक अन्य लोगों के जीवन में भी कल्याण का कारण बनता है। हुजूर कँवर साहेब जी महाराज ने कहा कि अरबों-खरबों जीवों में से विरले ही ऐसे होते हैं जिन्हें परमात्मा के महल में प्रवेश का सौभाग्य प्राप्त होता है। इसलिए मनुष्य को अपने जीवन का प्रत्येक क्षण प्रभु की प्राप्ति के लिए लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश भक्ति कम भी हो जाए, तब भी अपनी संगति कभी खराब नहीं होने देनी चाहिए, क्योंकि अच्छी संगति ही मनुष्य को परमात्मा के मार्ग पर स्थिर रखती है।उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य के भीतर वैराग्य उत्पन्न नहीं होता, तब तक परमात्मा के प्रति सच्चा प्रेम जागृत नहीं हो सकता। गृहस्थ जीवन छोड़ने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि गृहस्थ में रहते हुए उपरामता प्राप्त करनी चाहिए। संसार में अपने सभी कर्तव्यों का पालन करते हुए ईश्वर की ओर बढ़ना ही सच्चे मानव जीवन की पहचान है। ऐसा व्यक्ति समाज और मानवता के कल्याण में भी अपनी सार्थक भूमिका निभा सकता है।

किसी के कर्मों के ऋणी मत बनें क्योंकि ऋण चुकाना पड़ता है

सत्संग की महिमा का वर्णन करते हुए कंवर साहेब ने कहा कि जैसे चुंबक लोहे को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है, वैसे ही संत-महापुरुष अपने प्रेम, ज्ञान और आध्यात्मिक शक्ति से जीवात्माओं को परमात्मा की ओर आकर्षित कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि संसार में अनेक शक्तियाँ और आकर्षण मनुष्य को भक्ति के मार्ग से भटकाने का प्रयास करते हैं। ऐसे समय में मनुष्य के लिए यह निर्णय कठिन हो जाता है कि वह अपनी आँखों के सामने दिखाई देने वाले संसार का साथ दे या उस निराकार, अदृश्य परमात्मा का, जो दिखाई नहीं देता। लेकिन यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि परमात्मा निराकार और अदृश्य होते हुए भी कण-कण, पत्ते-पत्ते और ज़र्रे-ज़र्रे में विद्यमान है। परमसंत ने कहा कि कर्मकांड से मन को कुछ समय के लिए तुष्टि अवश्य मिल सकती है, किंतु आत्मा की वास्तविक खुराक केवल सतगुरु की भक्ति और नाम-साधना से ही प्राप्त होती है। संतों की वाणी का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई आपका बुरा भी करे तो उसके प्रति भी भलाई का व्यवहार करें। किसी के कर्मों के ऋणी मत बनिए, क्योंकि कर्मों का ऋण एक न एक दिन अवश्य चुकाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य के हृदय में सतगुरु के प्रति सच्चा प्रेम नहीं होगा, तब तक वह उनके वचनों पर दृढ़ नहीं रह सकता।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

हरिभूमि
रोहतक, सोमवार, 20 जुलाई 2026

हरियाणवी गीत-संगीत का बदलता मिजाज

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं।

लोक संस्कृति

नवरत्न

हरियाणा को यदि उत्सवधर्मी प्रदेश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहां वर्ष का शायद ही कोई ऐसा महीना हो जिसमें किसी न किसी लोक अवसर पर गीत न गूंजते हों। दसोठण से लेकर नामकरण, मुकलावा, विवाह, तीज, गणगौर, सामण, फाग, होली, दिवाली, चौथ, और खोड़िया खेड्डा तक -हर पड़ाव का अपना अलग गीत, अलग लय और अलग सांस्कृतिक अर्थ रहा है। हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहे; वे समाज की स्मृति, लोकज्ञान, रिश्तों की मिठास, व्यंग्य, प्रेम, संघर्ष और आध्यात्मिक चेतना के जीवंत दस्तावेज रहे हैं। आज जब मोबाइल फोन पर एक क्लिक में करोड़ों लोग हरियाणवी गीत सुन रहे हैं, तब यह समझना रोचक है कि इस लोकसंगीत ने किन-किन पड़ावों से गुजरकर यह मुकाम हासिल किया।

लोकजीवन की पहली धड़कन

स्वतंत्रता से पहले हरियाणा का मनोरंजन पूरी तरह लोकजीवन से जुड़ा हुआ था। गांव की चौपाल, कुएं का पनघट, खेतों की मेड़, मेलों का मैदान और विवाह का आंगन ही सांस्कृतिक मंच थे। उस समय सांग सबसे प्रभावशाली लोकनाट्य था। पंडित लखमीचंद, मांगेराम और बाजे भगत जैसे कलाकारों ने लोकभाषा में धर्म, नीति, प्रेम, इतिहास और सामाजिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रागनियां आज भी लोकस्मृति में जीवित हैं। इसी दौर में सपेरों की बीन, जोगियों की सारंगी, ढोलक, खंजरी, चिमटा और इकतारा ग्रामीण मनोरंजन के प्रमुख साधन थे। गीत सामूहिक होते थे, श्रोता भी सहभागी होते थे।

लोकगीतों से जनजागरण तक

स्वतंत्रता के बाद लोकसंगीत का एक नया उपयोग सामने आया। सरकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की भजन पार्टियों ने गांव-गांव जाकर लोकधुनों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सरकारी योजनाओं का प्रचार किया। मनोरंजन अब सामाजिक संदेश का माध्यम भी बन गया। इसी समय रेडियो का प्रभाव बढ़ा। आकाशवाणी के ग्राम संसार, खेती-बाड़ी और लोकसंगीत कार्यक्रमों ने गांव-गांव तक नई पहचान बनाई। हरियाणवी लोकगायकों को पहली बार व्यापक मंच मिला।

पंजाब का प्रभाव व बदलती रुचियां

सत्तर और अस्सी के दशक में पंजाब के लोकसंगीत का हरियाणा पर गहरा प्रभाव पड़ा। गुरदास मान, भांगड़ा दलों और पंजाबी कैसेटों ने युवाओं को आकर्षित किया। विवाह समारोहों में ढोल और भांगड़ा सामान्य दृश्य बनने लगे। इसके बावजूद हरियाणा की अपनी लोक परंपरा जीवित रही। तीज के झूले, फाग के गीत, ब्याह की बन्ना-बन्नी, घुड़चढ़ी, मुकलावा, दसोठण और पनघट के गीत लगातार गाए जाते रहे।

जब हर घर बना संगीतालय

अस्सी और नब्बे का दशक हरियाणवी संगीत का निर्णायक मोड़ था। टेप रिकॉर्डर प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया। ऑडियो कैसेटों ने लोकसंगीत को घर-घर पहुंचा दिया।

दादरी के निकट स्थापित मैना कैसेट्स जैसी कंपनियों ने हरियाणवी और पंजाबी गीतों को बड़े पैमाने पर रिकॉर्ड किया। साथ ही टी-सीरिज ने भी हरियाणवी गीतों को व्यापक बाजार दिया। इसी दौर में हरियाणवी फिल्मों- चंद्रावल, म्हारी धरती म्हारी मां, बहुरानी, सांझी और बटेऊ- के गीतों ने लोकप्रियता के नए कीर्तिमान बनाए। कहा जाता है कि चंद्रावल का संगीत विदेशों तक पहुंचा। कलाकारों जैसे देवीशंकर प्रभाकर, उषा शर्मा, भालसिंह बल्हारा और रघुवेंद्र मलिक घर-घर पहचाने जाने लगे।

रागनी प्रतियोगितियों का स्वर्णकाल

नब्बे के दशक में हरियाणा में रागनी प्रतियोगितियों का अभूतपूर्व दौर आया। घड़वा-बैंजू की संगत पर रागनी गायन प्रतियोगिताएं पूरी रात चलती थीं। रमेश कल्हावड़, मास्टर सतबीर, रणबीर बड़वासनिया, राजेन्द्र खरकिया, बाली शर्मा और पाले राम नाई जैसे कलाकारों ने लखमीचंद और मांगेराम की रागनियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया। उस समय रागनी केवल संगीत नहीं, लोकबुद्धि की परीक्षा भी होती थी।

सीडी, डीजे और मंचीय संस्कृति

इसके बाद सीडी का दौर आया। 'हट जा ताऊ पाछै नै' जैसे गीतों ने लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। गांवों में डीजे संस्कृति का प्रवेश हुआ। पिकअप वाहनों पर विशाल स्पीकर लादकर बारातें निकलने लगीं। ढोलक और नगाड़े की जगह तेज ध्वनि वाले डीजे ने ले ली। इसी दौर में मंचीय नृत्य और लाइव कार्यक्रमों का विस्तार हुआ।

सपना चौधरी और नया हरियाणा

फिर हरियाणवी मनोरंजन को एक नया चेहरा मिला- सपना चौधरी। उनके मंचीय कार्यक्रमों ने हरियाणवी संगीत को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। इसके बाद हरियाणवी गीतों ने यूट्यूब और सोशल मीडिया पर करोड़ों दर्शक जुटाने शुरू कर दिए। आज बावन गज का दामण, तेरी आंख्या का यो काजल, गजबण, घूंघट, बालम थानेदार, टोकणी, मेरा बालम, जेल करावैगी, भिरड़ लड़गी जैसे गीत केवल हरियाणा तक सीमित नहीं हैं; वे देश और विदेश में भी सुने जाते हैं।

बदलते विषय, बदलती भाषा

आज के गीतों में प्रेम, नोकझोंक, हास्य, फैशन, गाड़ी, मोबाइल, सोशल मीडिया और आधुनिक जीवन के प्रतीक अधिक दिखाई देते हैं। कभी 'हीरो होंडा', कभी 'जिप्सी', कभी 'बीयर', कभी 'इंग्लिश', कभी 'सैंडल'-लोकजीवन बदलता है तो गीतों की शब्दावली भी बदल जाती है। फिर भी हरियाणवी गीतों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी कल्पनाशीलता है। 'तू छाती कै लाग्या रहिए, ताबीज बणा ल्यूँ तनै' जैसी पंक्तियाँ प्रेम को लोकबिंब में ढाल देती हैं। 'रै गई हाल सिर पै दोघड़ रै, पाणी छलकै' जैसे बिंब ग्रामीण जीवन की सहजता को जीवित रखते हैं और कुछ गीत तो सूफियाना ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं। 'मैं तेरी नचाई नाचूं सूं, इस दुनिया की औकात नहीं' पहली दृष्टि में प्रेमी-प्रेमिका का संवाद लगता है, पर गहराई में देखें तो यह जीवात्मा और परमात्मा के संबंध का रूपक भी बन सकता है। यही लोककाव्य की शक्ति है कि वह अनेक अर्थों में पढ़ा जा सकता है।

उपलब्धियां और चुनौतियां

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है। लाखों-करोड़ों व्यूज़, आधुनिक रिकॉर्डिंग, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और आर्थिक अवसरों ने कलाकारों को नई पहचान दी है। लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं। तेज़ संगीत ने कई बार सामूहिक गायन की परंपरा को पीछे धकेल दिया है।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

ग़ज़ल — राजपाल सिंह गुलिया

हांस्सी ठट्ठा

भूल गए सभ हांस्सी ठट्ठा,
प्रेम - प्यार का बैठ्या भट्ठा।

बातां पै थे लोग मरणिया,
बिना बात वे लट्ठम -लट्ठा।

स्याणा कह सै आपे नै ये,
औरां नै उल्लू का पट्ठा।

बूझै मतना ऊधपणे की,
काणी कहकै मांगै मट्ठा।

चीज नहीं सै तिरे काम की,
सहम बता क्यूँ खोलै गट्ठा।

पांच जेळ म्हं एक बच्या क्यूं,
नेता का साला था छट्ठा।

घर कै म्हां मेला सा भर ज्या,
सारा कुणबा हो जिब कट्ठा।

गीत — सत्यवीर नाहड़िया

सुर में ताल मिलाएं ...

राग-द्वेष यदि छोड़ सभी हम, राग-देश अपनाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सांझ सदा ही यमन बने अरु भैरव भोर हमारी।
रात भुपाली देशराग हो, दुर्गा अरु केदारी।
जौनपुरी-सी चंचलता हो, काफी-सी खुम्मारी।
कभी भैरवी भीम-पलासी, सारंगी तैयारी।
मालकौंस को रातें प्यारी, पहर तीसरे गाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

माँ वाणी से वाणी माँगे, वाणी मीठी-सादी।
भाव करें शुद्ध व कोमल, बन माँ के फरियादी।
तानपुरा से तान उठाकर, सँग ज्यूँ ताल मिला दी।
जीवन के सप्तक को कर लें, वादी या संवादी।
सधे मात्रा पूरी-आधी, सुर-संगम को ध्याएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएँ।।

दा रा रा रा-दा रा रा रा, कभी सितार उठाना।
ताल व ताली भरी व खाली, मिलकर साथ बजाना।
कभी कहरवा ताल दादरा, रूपक सूल सजाना।
गाना आये या ना आये, फिर भी मन से गाना।
संगति पूरी सदा निभाना, बड़े यही बतलाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सुर-लय दोनों अनुशासन हैं, जीवन में अपना लें।
रच-बस जाएं छंदों में हम, ख्याल-ग़ज़ल तक गा लें।
गायन-वादन एक साधना, पूरे मन से पा लें।
संगीत-गीत अपनाकर हम, जीवन स्वर्ग बना लें।
कह 'नाहड़िया' आओ ध्या लें, परम पिता को पाएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवीं यादें

सरकंडे से जेवड़ी यानी रस्सी बनाने का तीन दशक पहले का यह काम आधुनिकीकरण के चलते अब हाशिए पर आया

किसानों का स्वरोजगार कहलाती थी मूंज की रस्सी

जनजीवन

रवि यादव

मैंने यह फोटो वर्ष 2018 में खींची थी। इसमें हमारे गांव के सम्मानित व्यक्ति दादा मक्खन लाल मूंज कूट रहे हैं। यह फोटो अलग-अलग समूहों में बहुत वायरल हुई थी। करीब तीस साल पहले तक हमारे हरियाणा में झुंडे, जिनको आप सरकंडे के नाम से जानते हैं, हुआ करते थे। इन दिनों लगभग हर गांव में मूंज कूटने का काम खूब होता था। किसान गर्मी के इन दिनों में सुबह दस बजे तक दो-तीन मंजोली (मूंज की एक बड़ी पूली/गट्ठर) कूट देते और शाम चार बजे के बाद एक मंजोली को पानी में भिगोकर रस्सी बांट देते थे।

सरकंडे से रस्सी बनाने का यह सफर इतना आसान नहीं रहा, जितना आसानी से मैं लिख रहा हूं। झुंडों की कटाई संक्रांति के बाद होती थी। इनकी पानियां तलवार की धार के माफिक पैनी होती थीं। किसान हाथ चिर न जाए, इसके लिए हाथ में मोटी फौजी जुराब पहन लेते थे और दरांती से झुंडे काटते थे तथा पानियों से ही उन्हें बांध देते थे। फिर भी हाथ लहूलुहान हो जाते थे। फागण और आषाढ़ के महीनों में घर के बुजुर्ग सरकंडों के इन पूलों को वहां से तोड़ते, जहां गांठ होती थी और आखिर में पतली तुलिया (सरकंडे का अंतिम पतला भाग) बचती, जिसे अलग रख दिया जाता था। एक सरकंडे में एक-डेढ़ फुट पर करीब सात-आठ गांठ होती थीं।

इस तरह मूंज की पूलियां बनती थीं। किसी के स्वर्ग सिधारने की अंतिम यात्रा से पहले मृत देह को झुंडे के पूले पर ही लिटाया जाता था। मई के महीने में इन पूलियों को महीन कूटा जाता था। फिल्मों में आपने जज साहब का वह लकड़ी का हथौड़ा तो देखा ही होगा। बस, यह भी आकार में उससे बड़ा लकड़ी का बना हथौड़ा (ढीका—मूंज कूटने का विशेष लकड़ी का भारी हथौड़ा) होता था, जिसे बार-बार मूंज की पूली पर मारा जाता था। मूंज की पूली पर चोट मजबूत लगे, इसके लिए आयताकार पत्थर जमीन के बराबर गाड़ दिया जाता था। कूटते समय पूली को लगातार घुमाया जाता था, ताकि हर जगह से उसे महीन किया जा सके। इस तरह मूंज कूटने का काम किया जाता था। अब इन दिनों में गांव के जोहड़ पर पीपल या बड़ के पेड़ के नीचे या अपनी छांद में खाट डालकर किसान मूंज की एक पूली ले जाता, जोहड़ में से भिगो लाता, खाट पर रखता और खाट पर बीच में बैठकर मूंज बांटता। कई बार हम जैसों को कह दिया जाता, 'तू पूंजली (रस्सी बंटते समय हाथ में पकड़ाई जाने वाली मूंज की छोटी गठरी) पकड़ाता रह और मैं बांटता हूं।' रस्सी बनती जाती और मूंज खत्म होती जाती। जो मूंज की कच्ची रस्सी बनती, उसे समेटने की कला साधारण नहीं थी, बल्कि ऐसी थी कि जब रस्सी को बल लगाया जाता था तो रस्सी के दोनों सिरे बराबर खुलते जाते थे। रस्सी को बल लगाने की लकड़ी की बनी चरखी होती थी और गजब की तकनीक से काम किया जाता था उससे। इन रस्सियों को पानी में भिगो दिया जाता था। हम बच्चों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर दोनों ओर की रस्सियों के बीच में खड़ा कर दिया जाता था, ताकि दोनों रस्सियों के बीच में मिलाप न हो सके। इन रस्सियों के बीच खड़े होने पर कई बार पता ही नहीं चलता था कि रस्सी कब कुर्ते या बुरसट को साथ लपेट लेती थी। हालांकि एक हाथ से चलने वाली चरखी भी होती थी, जिससे बल लगाया जाता था। मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

किसानों के लिए यह काम का काम और बढ़िया टाइम पास था। झुंडे बिना पानी, बिना देखभाल किए ऐसे ही उग आते थे और किसान इनका बेहतरीन सदुपयोग करना जानते थे। सरकंडे की पतली तुलिया से छाज, जंगले की चटाई, हवा करने की पंखी आदि बनती थीं। मोटे सरकंडे से अब भी मूढ़े बनाए जाते हैं।

किसानों का और उनके परिवारों का यह आत्मनिर्भर स्वरोजगार था, जिसमें वे अपना काम खूब चलाते थे और जरूरी चीजों के लिए बाजार का रुख नहीं करते थे। आज आधुनिक भारत में सबकी जेब में दाम हैं और सुख-सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। तीन दशक पहले का यह काम अब हाशिए पर धकेल दिया गया है। इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, बस बदलते समय में गांवों की सोच भी बदल गई। अब खाट और पलंग की जगह डबल बेड आ गए, पीढ़े और मूढ़े की जगह प्लास्टिक की कुर्सियों और सोफों ने ले ली। हम आधुनिक, सुविधा-संपन्न व्यक्ति जरूर हो गए, मगर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को खोकर बेरोजगार भी हो गए।

समय बदल रहा और हरियाणवी सिनेमा भी : सुदेश बेनीवाल

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

सपनों को हौसलों की उड़ान मिले और प्रतिभा को सही मार्गदर्शन, तो साधारण पृष्ठभूमि से निकला एक कलाकार भी अपनी पहचान पूरे देश में बना सकता है। हरियाणवी सिनेमा की ऐसी ही सशक्त अभिनेत्री हैं सुदेश बेनीवाल, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया है। सुदेश बेनीवाल ने एम.ए. एवं बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की है। उनका पैतृक गांव हिसार जिले का शिकारपुर तथा ससुराल फतेहाबाद जिले के खाबड़ा कलां गांव से है। बचपन से ही वे हंसमुख, चुलबुली और अभिनय की शौकीन थीं।

इन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज, हिसार से उच्च शिक्षा प्राप्त की और वहीं से रंगमंच की शुरुआत की। उनके अभिनय सफर में पूरे परिवार ने भरपूर सहयोग दिया। उनके पिता चाहते थे कि वे अभिनय के क्षेत्र में आगे बढ़ें। विवाह के बाद ससुराल में भी उन्हें पूरा सहयोग मिला। विशेष रूप से उनके पति अमर बेनीवाल ने हर कदम पर उनका साथ दिया। सुदेश अभी तक दादा लखमी, कॉलेज कांड, पाताल लोक-2, हरियाणा की बेटी, देशी अदालत, पुनर्जन्म, महा पुनर्जन्म काल-चक्र तथा डाकखाना में अपने अभिनय का

लोहा मनवा चुकी हैं। आने वाले समय में वे जालिमपुर हलालपुर, भाई साहब, सपना चौधरी अभिनीत फिल्म फौजन के अलावा कई विज्ञापन फिल्मों और म्यूज़िक वीडियोज़ में भी नज़र आएंगी। सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म दादा लखमी से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके और बिना थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। दादा लखमी ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। चन्द्रावल के बाद इसी फिल्म ने दर्शकों को फिर से सिनेमाघरों तक पहुंचाया और हरियाणवी सिनेमा की चर्चा विदेशों तक हुई। इस फिल्म में काम करना वह अपना सौभाग्य मानती हैं। सुदेश को यशपाल शर्मा और जयदीप अहलावत जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला है। पाताल लोक-2 में जयदीप अहलावत के साथ काम करना उनके लिए यादगार अनुभव रहा। इस वेब सीरीज़ में उनका पम्मी पार्लर वाला किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। अपने स्टेज ऐप पर काम करने के अनुभव के बारे में उन्होंने बताया कि स्टेज ऐप ने न केवल उन्हें, बल्कि हजारों हरियाणवी कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है और प्रदेश के सिनेमा को नई पहचान दिलाई है। सुदेश जिस भी फिल्म या वेब सीरीज़ में काम करती हैं, उसकी शूटिंग शुरू होने से पहले ही वे अपने किरदार को समझकर स्वयं को उसके अनुरूप ढालने का प्रयास करती हैं। कॉलेज कांड में कविता वकील का संघर्ष और पाताल लोक-2 का जस्ट सेइंग उनके लिए विशेष अनुभव रहे। हरियाणवी सिनेमा और रंगमंच के बारे में सुदेश का मानना है कि हरियाणा का रंगमंच अपनी अलग पहचान और समृद्ध परंपरा रखता है। आज मोबाइल और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से हरियाणवी सिनेमा घर-घर तक पहुंच चुका है। उनके अनुसार रंगमंच और सिनेमा, दोनों की अपनी-अपनी संभावनाएं हैं। आज लगातार नई हरियाणवी फिल्में और वेब सीरीज़ बन रही हैं। अब बॉलीवुड के कलाकार भी हरियाणवी फिल्मों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो इस उद्योग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों में काम करते हुए वे स्वयं को अधिक मजबूत और प्रभावी महसूस करती हैं। प्रदेश सरकार फिल्म बनाने को लेकर जो पॉलिसी लाई है इस नई फिल्म नीति के कारण हरियाणा के बाहर के कलाकार भी यहां के सिनेमा से जुड़ रहे हैं, जिससे उद्योग का दायरा और पहचान दोनों बढ़ी हैं। आने वाला समय हरियाणवी सिनेमा का है। जिस प्रकार हरियाणवी गीतों ने पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है, उसी प्रकार हरियाणवी सिनेमा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा। सुदेश के अनुसार पहले हरियाणा के लोग खेती-बाड़ी से अधिक जुड़े थे और सिनेमा उनकी प्राथमिकता नहीं था, लेकिन अब समय बदल रहा है। युवा पीढ़ी फिल्मों और वेब सीरीज़ में अधिक रुचि ले रही है और अच्छी हरियाणवी फिल्मों के साथ दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वह यह भी मानती हैं कि बेशक आज लोगों के पास थिएटर जाकर नाटक देखने का समय कम हो गया है, लेकिन डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के कारण दर्शकों की देखने की आदतों में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने नए कलाकारों को संदेश देते हुए कहा कि वे पूरी लगन, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने काम में जुटे रहें। उनके अनुसार समय बदल रहा है और हरियाणवी सिनेमा भी लगातार बढ़ रहा है।

सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म 'दादा लखमी' से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके-थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए।

खबर संक्षेप

110 वर्ष की शांति देवी स्वर्ग सिधारी

बवानीखेड़ा। धार्मिक आस्था, सादगीपूर्ण जीवन और पारिवारिक मूल्यों की अनूठी मिसाल रहीं शांति देवी का निधन क्षेत्र के लोगों के लिए गहरा दुख छोड़ गया। उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय ईश्वर भक्ति, परिवार की सेवा और सादगी के साथ व्यतीत किया।

अमर शहीद मंगल पांडे को पौधरोपण कर दी श्रद्धांजलि

भिवानी। देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक अमर शहीद मंगल पांडे की जयंती को केवल श्रद्धांजलि तक सीमित न रखते हुए नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने इसे प्रकृति संरक्षण के संकल्प दिवस के रूप में मनाया। संस्था के पर्यावरण रक्षक जेई बिजेश जावला व संस्था के संस्थापक सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश सैनी के नेतृत्व में गांव पालवास, महम रोड तथा बपौड़ा में पौधरोपण किया गया और लोगों को पौधे वितरित कर उनकी देखभाल का संकल्प दिलाया गया।

राजयोग से कर्मयोग बनता है: बीके सुमित्रा

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धि धाम में योग भी का आयोजन किया गया। योग भी में उपस्थित ब्रह्मावत्सों को संबोधित करते हुए शाखा प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने राजयोग और कर्मयोग के आध्यात्मिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजयोग से कर्मयोग बनता है का आध्यात्मिक अर्थ बताते हुए बीके सुमित्रा बहन ने बताया कि जब कोई व्यक्ति ध्यान या आध्यात्मिक ज्ञान को राजयोग के माध्यम से अपने मन को शांत और शुद्ध कर लेता है, तब उसके द्वारा किए जाने वाले सांसारिक कार्य निष्काम, निःस्वार्थ और जनहितैषी कार्य कर्मयोग में बदल जाते हैं। हम सभी आध्यात्मिक ऊर्जा व आत्माएँ हैं, जो विश्व नाटक में अलग-अलग समय पर जन्म लेती हैं और हर जन्म में अनेक कर्म करती हैं। आत्मा का मूल निवास परमधाम है, जहाँ से वह इस भौतिक संसार में आती है और अलग-अलग शरीरों द्वारा अपने कई भूमिका निभाती है। हर आत्मा के कर्म उसकी मूल पवित्रता और उसके विशेष संस्कारों के अनुसार अलग होते हैं। सभी आत्माएँ अलग-अलग जन्मों में अनेक संबंधों से गुजरती हैं और अपने साथ यात्रा करने वाली आत्माओं को सुख और दुख देती हैं जो कर्मयोग बन जाता है। इसलिए हमें कोई भी कर्म करने से पहले सोचना चाहिए।

संगठन की मजबूती ही भाजपा की बड़ी शक्ति

चरखी दादरी। स्थानीय प्रेम नगर स्थित एपीएस स्कूल में जिला भाजपा की विशेष संगठनात्मक बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शक्ति केंद्र प्रभारियों के साथ आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, शक्ति केंद्र बैठकों तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को वर्चुअल माध्यम से भाजपा हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता एवं प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने संबोधित किया। उन्होंने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हुए आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में जिला महामंत्री एडवोकेट राष्ट्रदीप परमार, जिला उपाध्यक्ष जगदीश राय फौगाट, कश्मीरी देवी, जगदीश पूर्व सरपंच, जिला कोषाध्यक्ष किदार नाथ सरोहा, जिला आईटी प्रमुख लीलाराम, जिला सोशल मीडिया प्रमुख भुनेश सहित काफी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हेल्थ इंश्योरेंस धारकों को अब भिवानी में ही मिल सकेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

नवीनतम तकनीक से पेंशन धारक होंगे रोग मुक्त

भिवानी। नेशनल एक्रिडेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल हेल्थ केयर से मान्यता प्रमाण पत्र दिखाते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भारत ईएनटी अस्पताल को अब नेशनल एक्रिडेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल हेल्थ केयर से मान्यता मिल गई हैं और अब ये भिवानी का पहला ईएनटी हॉस्पिटल बन गया है, जहां हेल्थ इश्योरेंश धारको को उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ नवीनतम तकनीक से रोग मुक्त हो सकेंगे। भारत नाक, कान, गला सिर व गर्दन शल्य चिकित्सा, अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. रुपेन्द्र रंगा ने बताया कि नवीनतम तकनीक व उपकरणों के अभाव में बीमारियों का उपचार कर करवाने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस धारकों को काफ़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब भारत अस्पताल को (एनएबीएचएच) संस्था द्वारा

- नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल हेल्थ केयर ने दी भारत ईएनटी हॉस्पिटल को मान्यता

मान्यता दी गई हैं। अब भारत अस्पताल में ईएनटी क्षेत्र में सभी प्रकार के हेल्थ इंश्योरेंसन कार्ड धारकों का नवीनतम तकनीक से उपचार किया जाएगा।

भिवानी में ईएनटी का अस्पताल एनएबीएचएच द्वारा पंजीकृत नहीं होने के कारण मरीजों को काफी परेशानियां हो रही थी और उपचार भी काफी मंहगा होने से आम आदमी (मरीजों) को दूसरे शहरों में जाना पड़ता था। आयुष्मान और एनएबीएचएच संस्था द्वारा भारत अस्पताल से मान्यता मिलना भिवानी शहर के लिए काफी हर्ष एवं गर्व की बात है। इस उपलब्धि पर डॉ. सरोज रंगा, डॉ. एडवीन, डॉ. नरेन्द्र जांगड़ा, सुरेन्द्र संभ्रवाल, डॉ. राज दिसौदिया, डॉ. भारत, डॉ. हिमांशी, डॉ. तारिका, सुरेन्द्र वर्मा आदि चिकित्सकों व गणमान्य नागरिकों ने खुशी जाहिर की।

समस्याओं को लेकर सेक्टर-13 स्थित सामुदायिक केंद्र में किया मंथन

बैठक में कर्मचारियों की सूची एवं उनके संपर्क नंबर सार्वजनिक करने की मांग

- बैठक की अध्यक्षता पूर्व नगर परिषद चेयरमैन विजय पंचगावा ने की

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। सेक्टर की समस्याओं को लेकर मंथन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर-13 स्थित सामुदायिक केंद्र में बिजली आपूर्ति, पेयजल, सीवरेज एवं बरसाती पानी की निकासी सहित क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व नगर परिषद चेयरमैन विजय पंचगावा ने की, जबकि चिरंजीलाल सांवरिया ने बैठक के एजेंडे एवं पूर्व में संबंधित विभागों को सौंपे गए मांग-पत्रों पर हुई कार्रवाई की जानकारी देते हुए समीक्षा बैठक का उद्देश्य उपस्थित नागरिकों के समक्ष रखा। बैठक में पूर्व में सौंपे गए मांग-पत्रों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की गई तथा उपस्थित नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए गए।

विजय पंचगावा ने कहा कि विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिकायतों के लिए जारी किए गए मोबाइल नंबर वास्तव में आम नागरिकों के लिए उपयोगी हैं या नहीं। उच्च अधिकारियों को इन नंबरों की नियमित निगरानी करनी चाहिए तथा यह भी समीक्षा करनी चाहिए कि शिकायतों के समाधान में तैनात कर्मचारी प्रभावी सहयोग कर रहे हैं या नहीं। उन्होंने शिफ्टवार ड्यूटी देने वाले कर्मचारियों की सूची एवं उनके संपर्क नंबर सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई, ताकि आवश्यकता पडड़ने पर नागरिक सीधे संबंधित कर्मचारी से संपर्क कर सकें।

बैठक में रात के समय बढ़ते विद्युत भार को देखते हुए 33 केवी सब-स्टेशन की क्षमता बढ़ाने, अधिक भार वाले ट्रांसफार्मरों की क्षमता में वृद्धि करने तथा मकान नंबर 433 के पास गली के बीच स्थित बिजली के खंभे को स्थानांतरित करने की भी मांग की गई। बरसाती पानी की निकासी के संबंध में विजय पंचगावा ने बैठक के दौरान ही संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत की। बैठक में विशेष रूप से शहीद भगत सिंह चौक से सिटी रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग को पुनः खोलने तथा वहां महाराजा अरूट के नाम पर चौक बनाने के लिए 6 जुलाई 2026 को भेजे गए मांग-पत्र पर सकारात्मक कार्रवाई करने पर नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन विजय पचगांवा ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रशासनिक अधिकारी सुशील कुमार, हिसार के प्रशासक एवं कार्यकारी अभियंता भूपेंद्र सिंह व सैक्टरवासियों का आभार व्यक्त किया।

बैठक में विजय पंचगावा, चिरंजीलाल सांवरिया, सत्यवान हसान सहित डॉ. हरज्ञान सिंह ग्रेवाल, ओमप्रकाश भुक्कल, अजीत सिंह नांदल, डॉ. फूलसिंह धनाना, एम.एस. सरोहा, शिव कुमार चांगियां, प्रमोद जैन, वीरेंद्र सिंह, रमेश सिहाग, रघबीर सिंह, भूपेंद्र सिंह, सुनील कुमार, हरीश चंद्र, दिलबाग जांगड़ा, प्रदीप ढाडा, गजे सिंह, अर्जुन सिंह, बलवान सिंह, धर्मेंद्र हंस आदि मौजूद रहे।

पेयजल आपूर्ति प्रभावित न हो

पेयजल व्यवस्था पर चर्चा करते हुए बताया गया कि जोन-1 में सुबह 4 से 5:30 बजे तथा जोन-2 में सुबह 7 से 8:30 बजे तक पानी की आपूर्ति होती है। इसलिए इन समयों में बिजली संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि पेयजल आपूर्ति प्रभावित न हो।

न्यूज डायरी

तिलकराज छाबड़ा ने कराया भजन-कीर्तन

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के मूल निवासी एवं वर्तमान में अमेरिका में रह रहे समाजसेवी तिलकराज छाबड़ा ने अपने गृह क्षेत्र के प्रति प्रेम और आस्था का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बाबा कमाल मंदिर में सुखमनी साहिब पाठ, भजन-कीर्तन एवं विशाल लंगर का आयोजन करवाया। इस धार्मिक कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया तथा प्रसाद ग्रहण किया। जानकारी देते हुए समाजसेवी प्रवीण छाबड़ा ने बताया कि उनकी तीन भाइयों में तिलकराज छाबड़ा, गुलशन छाबड़ा, घनश्याम छाबड़ा अमेरिका में रहते हैं। उनके भाई 1996 में अमेरिका जाने पश्चात उनके पिता समाजसेवी लक्ष्मणदास छाबड़ा भी वहां आते जाते रहे। उनके सभी भाइयों को बवानीखेड़ा की धरती से अपार स्नेह रहा है जो आज भी जुड़ा हुआ है। रविवार को बाबा कमाल मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु वाणी के पाठ से हुआ, जिसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया।

पर्यावरण संरक्षण सब की नैतिक जिम्मेदारी

भिवानी। स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन के तत्वावधान में आज जनता कॉलेज, चरखी दादरी में दिव्य वाणी सत्संग का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिकता के वातावरण में संपन्न हुआ। सत्संग में क्षेत्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु, समाजसेवी, युवा और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साइकिल यात्रा से हुई शुरुआत कार्यक्रम का शुभारंभ रोज गार्डन, चरखी दादरी` से `नशा मुक्त भारत अभियान के तहत निकाली गई साइकिल जागरूकता रैली से हुआ। इस रैली को `तपोभूमि जटेला धाम आश्रम, माजरा, झज्जर के पीठाधीश्वर महंत स्वामी राजेंद्र दास ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सैकड़ों युवाओं ने नशे को ना कहें, जीवन को हां कहें के नारे के साथ शहर में जागरूकता का संदेश दिया।

नैनो उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग की जानकारी दी

भिवानी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) के संयुक्त तत्वावधान में पंचायत भवन में नैनो उर्वरकों के प्रभावी उपयोग एवं प्रचार-प्रसार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग के लगभग 300 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों तक डीएपी के विकल्प, नैनो उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन तथा प्राकृतिक खेती का संदेश प्रभावी ढंग से पहुँचाना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ इफको के क्षेत्रीय अधिकारी सुरजीत राठी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के स्वागत के साथ किया। इफको गुरुग्राम के क्षेत्रीय प्रबंधक हितेन्द्र सिंह ने नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी सहित नैनो उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग की जानकारी देते हुए बताया कि इनके प्रयोग से पोषक तत्वों की उपयोग दक्षता बढ़ती है।

टॉप टेन मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया

तोशाम। गांव कैरू स्थित भगत पाना चौपाल में बीआर आंबेडकर एकता मंच की ओर से एक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। एचबीएसई बोर्ड से राज्य टापर दसवी, बारहवीं व नीट के परीक्षा परिणाम में टापटेन मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित कियागया। मुख्य अतिथि के रूप में लोहारू एसडीएम मनोज दलाल पहुंचे। विशिष्ट अतिथि सहायक जिला न्यायवादी डा. अरूण सम्भ्रवाल उपस्थित रहे। इस मौके पर कक्षा दसवी के नौ, बारहवी के 13, नीट के पांच बच्चे, दसवीं के टाप मेरिट 14 बच्चों को 11-11 सौ रुपये नगद व संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा से सम्मानित किया गया। एसडीएम मनोज दलाल ने हरियाणा लहजे में पढ़ाई के लिए शपथ दिलाते हुए कहा कि "सारै बच्चौं नै पढणा है नां तो थामी नै थारी मां की सू लागगी।" इस तरह से उन्होंने कसम दिलाते हुए कहा कि अगर मन में लक्ष्य निर्धारित कर लिया जाए तो बड़ी से बड़ी कायनात सफलता की मंजिल को रोक नहीं सकती ये इसका मूलमंत्र है।

सांसद जयप्रकाश ने पानी के टैंकर उपलब्ध करवाए

भिवानी। गर्मियों के मौसम में ग्रामीण इलाकों में पेयजल की किल्लत को कम करना और जनहित के कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिसार के सांसद जयप्रकाश ने सांसद निधि कोटे से बवानीखेड़ा ग्राम पंचायत को पानी के टैंकर उपलब्ध करवाए हैं। ये टैंकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल की अध्यक्षता में ग्राम पंचायतों को उपलब्ध करवाए गए, जिनमें सिकंदरपुर, पपौसा, रोहनात, जीताखेड़ी, मुंढाल कलां, मित्ताथल, मंढाणा, घुसकानी, बड़सी गुजरान आदि शामिल हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल ने कहा कि सरकार बड़े-बड़े वादे करके सत्ता में आई है, लेकिन जब ड्रेनेज की सफाई कराने, नहरों में पानी सुनिश्चित करने और हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की बारी आती है, तो प्रशासन आंखें मूंद लेता है। यह जनता के मौलिक अधिकारों का हनन है। पानी कोई खैरात नहीं है, यह हमारा अधिकार है।

विदेशी दबाव में नहीं झुकेगा किसान: सुरेश कौथ

बाढड़ा। अमेरिका के साथ प्रस्तावित फ्री ट्रेड डील और ट्यूबवेलों पर स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में रविवार को बाढड़ा की अनाज मंडी में श्योराण खाप-25 के अध्यक्ष बिजेंद्र बेरला की अध्यक्षता में किसान महापंचायत आयोजित हुई। महापंचायत को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए भारतीय किसान मजदूर यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौथ ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और सरकार को ऐसी कोई नीति लागू नहीं करनी चाहिए, जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ प्रस्तावित फ्री ट्रेड डील भारतीय कृषि के लिए घातक साबित होगी। महापंचायत में जिला अध्यक्ष राजकुमार हड़ौदी ने किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कराई। इसके बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर क्षेत्र में स्मार्ट मीटर नहीं लगाने, प्रस्तावित फ्री ट्रेड डील वापस लेने, स्वीकृत मुआवजा किसानों के खातों में जारी करने, छूटे गांवों को योजना में शामिल करने तथा लंबित ट्यूबवेल कनेक्शन जल्द जारी करने की मांग की गई। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा।

समीक्षा बैठक लेकर लगाई ड्यूटी

- बसपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कृष्ण जमालपुर पहुंचे भिवानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रविवार को बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रदीप रंगा ने की। बैठक में मुख्य रूप से बसपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कृष्ण जमालपुर ने भाग लिया और आगामी 2 अगस्त को हिसार की जाट धर्मशाला में आयोजित होने वाली जॉन स्तरीय संगठन समीक्षा बैठक की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि 2 अगस्त को आयोजित इस महत्वपूर्ण संगठन समीक्षा बैठक में राज्यसभा सांसद एवं केन्द्रीय प्रदेश प्रभारी माननीय श्री राम जी गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

बहुजन समाज पार्टी के केन्द्रीय राज्य प्रभारी सी.पी. सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, बूथ एवं सेक्टर समितियों के गठन, विस्तार तथा सक्रियता पर विशेष चर्चा की जाएगी। डॉ. कृष्ण जमालपुर ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक बूथ और सेक्टर स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

द सक्षम स्कूल में इन्वेस्टिचर सेरेमनी छात्र परिषद ने संभाली जिम्मेदारी

चरखी दादरी। द सक्षम स्कूल में वार्षिक इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए शैक्षणिक सत्र के लिए चयनित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को आधिकारिक रूप से दायित्व सौंपना और उनमें नेतृत्व, अनुशासन तथा जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। समारोह में मुख्य अतिथि पीएसआई हरेंद्र तथा विशिष्ट अतिथि विक्रम लांबा ने नवनिर्वाचित हाउस काउंसिल के सदस्यों को बैज, कैप और सैश पहनाकर सम्मानित किया। पदभार ग्रहण करने के बाद छात्र प्रतिनिधियों ने ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा विद्यालय और विद्यार्थियों के हित में कार्य करने की शपथ ली। मुख्य अतिथि पीएसआई हरेंद्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को नशामुक्त समाज के निर्माण और मोबाइल की लत से बचाव के लिए आगे आना चाहिए।

कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष ने तोशाम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

तोशाम। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते अनिरुद्ध चौधरी।

रविवार को तोशाम की पंजाबी धर्मशाला तथा कैरू की बाबा मुंगीपा धर्मशाला में कांग्रेस के भिवानी ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान कांग्रेस नेता अनिरुद्ध चौधरी ने कांग्रेस पार्टी के संगठन को और भी अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। भिवानी ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में आमजन पूरी तरह से त्रस्त है आमजन को मूलभूत सुविधाएं बिजली, पानी नहीं मिल रहे वहीं पर महंगाई तथा भ्रष्टाचार पूरी तरह से चरम पर है। वहीं भाजपा सरकार में स्थानीय विधायक सिंचाई मंत्री होते हुए भी तोशाम हलके सहित पूरे भिवानी जिले के लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं, गर्मी के मौसम में बिजली सप्लाई भी पूरी तरह से नहीं हो पा रही है।

आज जजपा की सेना सोनम वांगचुक का बढ़ाएगी हौसला : दिग्विजय चौटाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर मंतर से संसद कुच प्रदर्शन को समर्थन करते हुए कहा की इस प्रदर्शन में जननायक जनता पार्टी हजारों कार्यकर्ताओं के साथ शामिल होकर 21 नीट छात्रों की जिम्मेदार भाजपा सरकार से इस्तीफे की मांग करेगी। श्री चौटाला ने कहा की जजपा राम राज की पक्षधर हैं लेकिन भाजपा राम के नाम को बदनाम करने में लगी हुए हैं। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही बनती है ।

जजपा का जन-जन अभियान जोरों पर

युवा के हक अधिकारों की बात करते हुए चौटाला ने कहा की जजपा का जन जन अभियान जोरों पर है । वह स्वयं पिछले 6 महिने से हरियाणा के गांवों के दौरों पर है। अब तक 6 सौ गांवों में कार्यक्रम हो चुके जबकि 55 सौ जलपान में लोगों से रूबरू हुए हैं। नवम्बर तक 12 सौ गांवों में शिरकत करके आमजन का आशीर्वाद लेंगे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा धारेडू, हल्का अध्यक्ष अजमेर मुंढाल, एडवोकेट अवतार सांगवान, राजू पाई,दिग्विजय के प्रैस सचिव राजू मेहरा, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महेंद्र जैन ने तेरापंथ की स्थापना के इतिहास से लेकर अब तक उसके विकास पर प्रकाश डाला

तेरापंथ ही भगवान महावीर का दर्शन: महेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु जन्म त्रि शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आज प्रेक्षा विहार में तेरापंथ मेरा पंथ कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक प्रवक्ता उपासक सी ए महेंद्र जैन बेंगलुरु से पधारे। महेंद्र जैन ने तेरापंथ की स्थापना के इतिहास से लेकर अब तक उसके विकास पर गहन प्रकाश डाला। उन्होंने स्क्रीन प्रोजेक्टर के माध्यम से तेरापंथ के दर्शन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि समाज में रहते हुए लौकिक और लोकोत्तर काम करना पड़ता है। जैन ने कहा की समाज में रहते हुए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना ही धर्म है।उन्होंने कहा कि जहां त्याग है वहां धर्म है । जैन ने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि हमें मानव जीवन मिला और तेरापंथ संघ मिला। इस जीवन में हम अपनी मोक्ष प्राप्ति के लिए प्रयास कर सकते हैं ।उन्होंने कहा कि तेरापंथ का दर्शन भगवान महावीर का दर्शन है। जैन ने यह भी कहा कि एक बार तेरापंथ के कार्यक्रम में पधारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तेरा पंथ से प्रभावित होकर कहा था कि तेरापंथ ,मेरा पंथ बने । उन्होंने कहा कि प्रकृति का नियम है कि हम जो भी दूसरों को देंगे वही हमें मिलेगा।

कार्यशाला में ये रहे मौजूद

सभा के संरक्षक सुरेंद्र जैन अधिवक्ता ने प्रशिक्षक का परिचय करवाया। सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश बंसल एवं सचिव विकास जैन तथा उपासक रमेश जैन ने उनका अंग वस्त्र एवं साहित्य से अभिनंदन किया। इस अवसर पर वनिता, सुनीता ,रेनू ,रेखा, दर्शन ,सारिका ,विजय, मंजू ,उषा ,महेंद्र ,बैजनाथ, गोपाल, मोहित, अनिल, कमलेश, गीता ,अनिल , विकी, रमेश उमरिया ,देवी चंद, विजय कुमार, मदन, मानिक चंद ,नवीन , अनिल तथा नरेश लहरिया सहित अनेक तेरापंथ समाज के श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थी।

खबर संक्षेप

चौ बंसीलाल कॉलेज में की साफ-सफाई

लोहारू। रविवार को चौ बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य डॉ. दलजीत सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। समाज सेवी एवं स्वच्छता प्रेमी रामचन्द्र स्वामी ने परिसर में सफाई अभियान चलाया। प्राचार्य दलजीत सिंह ने बताया कि नए सत्र के लिए महाविद्यालय में रिक्त सीटों के प्रवेश प्रक्रिया चल रही है तथा पात्र उम्मीदवार आवश्यक दस्तावेजों के साथ नामांकन प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं।

छठी से 12वीं के विद्यार्थी देंगे नवाचार को नया मंच

चरखी दादरी। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2026-27 के लिए इंस्पायर मानक योजना की शुरुआत कर दी गई है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा हरियाणा स्कूल शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में संचालित इस योजना के तहत कक्षा छठी से 12वीं तक के विद्यार्थी अपने मौलिक वैज्ञानिक विचार प्रस्तुत कर सकेंगे। योजना के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

नहर में पूरा पानी चलाने की मांग को लेकर धरना

बवानीखेड़ा। सुंदर नहर में पूरा पानी चलाने की मांग को लेकर जमालपुर गांव में धरना 23वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता संतोष देशवाल प्रधान भिवानी तहसील व रामकुमार यादव ने की आज के धरने की अध्यक्षता ने बोलते हुए कहा कि हरियाणा सरकार सुंदर नहर के किसानों के साथ की साल से भेदभाव कर रही है और सुंदर नहर पर पाने वाले गांव के आम जनता नहर पुरा पानी की मांग को लेकर कई सालों से अपने हक का पुरा पानी की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

प्रतियोगिता में ब्लू बर्ड ग्लोबल स्कूल रहा तृतीय

भिवानी। जिला सेपक टकरा एसोसिएशन भिवानी की तरफ से आयोजित अस्मिता सेपक टकरा सिटी लीग 2026 का आयोजन गांव गुजरानी स्थित दॉ ब्लू बर्ड ग्लोबल स्कूल में किया गया। बीडीएसए रेलवे अकादमी टीम लीग की चैंपियन रही। द्वितीय स्थान पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल गौरीपुर तथा दॉ ब्लू बर्ड ग्लोबल स्कूल गुजरानी ने तृतीय स्थान हासिल किया।

मुख्यमंत्री महिलाओं को दे रहे पूरा मान-सम्मान : मीना परमार

गांव खरक की चारों पंचायतों ने किया हरियाणा महिला आयोग की नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष मीना परमार का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा महिला आयोग की नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष मीना परमार के सम्मान में गांव खरक कलां स्थित दादी सती जाबदे मंदिर परिसर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें गांव की चारों पंचायतों की तरफ से उनको पगड़ी पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और तलवार भेंटकर सम्मानित किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों ने श्रीमती परमार को महिला आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मीना परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी महिलाओं का पूरा मान सम्मान रख रहे हैं। इसी के चलते महिला आयोग, महिला विकास निगम और बाल संरक्षण अधिकार जैसे अहम आयोग में महिलाओं की नियुक्ति की है। उन्होंने कहा कि महिला आयोग महिलाओं के हकों के लिए हमेशा तत्पर है।

हर वर्ग का हो रहा विकास

मीना परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के लिए कल्याणकारी नीतियां लागू कर रही है। सरकार अंत्योदय की भावना से योजनाएं लागू कर रही है। पात्र व्यक्तियों को घर बैठे योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सरकारी योजनाओं को पारदर्शिता के चलते ऑनलाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में बड़े से बड़े पदों पर बिना पर्ची और बिना खर्ची के आर्थिक रूप से कमजोर घरों के पात्र युवा नियुक्ति पा रहे हैं। इससे गरीब परिवारों खुशहाली का दौर आया है। युवाओं में मेहनत करने के प्रति उत्साह बढ़ा है। उन्होंने ग्रामीणों से विशेष कर लड़कियों को उच्च शिक्षित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज सरकार द्वारा लड़कियों को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए हर 20 किलोमीटर पर महिला कॉलेज की स्थापना की जा रही है। शिक्षा के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ किया जा रहा है। शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भिवानी। गांव खरक में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन महिला आयोग की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना परमार व अन्य।

ग्रामीणों का जताया आभार

मीना परमार ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा किया गया उनका यह सम्मान उनको हमेशा याद रहेगा। सम्मान समारोह का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल फौजी ने किया। इस अवसर पर हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष बृजपाल पप्पू सरपंच रामचंद्र, राजकुमार, शालिनी व उषा देवी, बीडीसी तरुण व कमलेश, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विशालजीत सिंह तंवर, शकुंतला प्रधान, वीना तंवर, सियाराम प्रजापत के अलावा अनेक गणमान्य लोग रहे।

हनुमान ढाणी चौक, हनुमान गेट, आजाद नगर टीबा बस्ती में प्रदर्शन

बिजली-पानी संकट से भड़के लोगों ने चार स्थानों पर लगाया जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राष्ट्रीय राजमार्ग-709ई स्थित हनुमान ढाणी चौक, हनुमान गेट, आजाद नगर टीबा बस्ती तथा पतराम गेट गौशाला चौक पर रविवार को बिजली और पेयजल संकट से परेशान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। क्षेत्रवासियों ने चारों स्थानों पर चक्का जाम कर सरकार और संबंधित विभागों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के कारण करीब 4 घंटों तक यातायात भी प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारी महिलाओं एवं लोगों का कहना था कि पिछले करीब एक माह से क्षेत्र में बिजली की गंभीर समस्या बनी हुई है।

लंबे बिजली कट और पेयजल संकट से लोगों में रोष, समस्या हल नहीं हुई तो कल भिवानी में पहुंच रहे मंत्री का करेंगे घेराव

हर आधे घंटे में बिजली कट लग रहे हैं, जबकि कई इलाकों में पूरी रात बिजली गुल रहती है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण कई परिवारों को पार्क, मंदिर और धर्मशालाओं जैसे खुले स्थानों पर रात बितानी पड़ रही है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया गया।

भिवानी। लकड़ी लगाकर वाहनों को रोकती महिलाएं। *फोटो: हरिभूमि*

भिवानी। रेहड़ी व अन्य सामान लगाकर वाहनों को रोकते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

पांच से दस मिनट मिल रही सप्लाई

स्थानीय नागरिकों ने पेयजल व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार की हर घर नल, हर नल जल योजना क्षेत्र में पूरी तरह विफल नजर आ रही है। कहीं मोटर खराब होने, कहीं बूस्टर खराब होने, कहीं बिजली न होने और कहीं लाइन संबंधी दिक्कतों के कारण नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही। कई स्थानों पर मात्र पांच से दस मिनट तक ही पानी की सप्लाई दी जा रही है, जबकि कुछ क्षेत्रों में कई दिनों से पेयजल की एक बूंद तक नहीं पहुंच रही। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कई इलाकों में गंदे पानी की सप्लाई हो रही है। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज मनीष वालिया, बिजली विभाग के एसडीओ अंकित कुमार, जनस्वास्थ्य विभाग के जेई ताजदीन, सुपरवाइजर विनोद तथा बिजली विभाग के पवन कुमार सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की।

अधिक लोड से आ रही समस्या

एसडीओ अंकित कुमार ने बताया कि एक फीडर पर अधिक लोड होने के कारण समस्या उत्पन्न हुई थी। अब लोड को विभाजित करने के लिए नई लाइन और पोल लगाए जाएंगे, जिससे जल्द ही बिजली आपूर्ति में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर लोग ट्रांसफार्मर और पोल लगाने का विरोध करते हैं, जिससे भी दिक्कतें आती हैं। विभाग स्टाफ की कमी के बावजूद लगातार समस्याओं के समाधान का प्रयास कर रहा है। यदि कोई कर्मचारी अभद्र व्यवहार करता है तो उसकी शिकायत विभाग को दी जाए, कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान दीपक बागड़ी, कृष्णा, अनिल कुमार, कृष्ण कुमार, पार्षद विनोद, जयबीर रंगा, प्रदीप बंसल, अजय कुमार, प्रताप और कपिल सहित अनेक स्थानीय लोगों ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन शिकायतों के बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं हुआ है।

भिवानी। स्कूल एजुकेशन ऑफिसर्स एसोसिएशन में उपस्थित पदाधिकारी।

हरियाणा स्कूल एजुकेशन की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

- बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए जिला कार्यकारिणी का विस्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा स्कूल एजुकेशन ऑफिसर्स एसोसिएशन, जिला भिवानी की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला प्रधान भगत सिंह कोठारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी डॉ. शिवकुमार शास्त्री ने प्रेस को बताया कि आज कार्यकारिणी के विस्तार में सर्वसम्मति से जिन पदाधिकारियों का चयन हुआ उनमें जिला प्रधान भगत सिंह कोठारी व महासचिव अनूप सिंह पूनिया को तो एसोसिएशन की पिछली बैठक, जो मई में आयोजित हुई थी उसमें ही चुन लिया गया था जबकि आज की बैठक में बतौर कोषाध्यक्ष विवेक अधलखा, आई टी सैल एवं मीडिया प्रभारी डॉ. शिव कुमार शास्त्री, वरिष्ठ उपप्रधान राजेश अत्री व अनीता नाथ, उपप्रधान भुवनेश मुद्गिल, संयुक्त सचिव सुनील जैन, कानूनी सलाहकार महेश शर्मा, शैक्षणिक सलाहकार डॉ. राजकुमार यादव व सतेंद्र पाल, वित्तीय सलाहकार पुष्पा जोशी का चयन हुआ। इसके अतिरिक्त संगठन के वरिष्ठ संरक्षक की जिम्मेवारी राज सिंह घणघस को व बतौर संरक्षक राजेश अरोड़ा, रणबीर काजल, सीमा कठपालिया, सीमा टकेजा, पवन शास्त्री , सुरेंद्र सिंह, अमित कुमार आदि प्राचार्यों को चुना गया।

दी बधाई

बैठक में जिला प्रधान भगत सिंह कोठारी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन जिला के सभी स्कूल शिक्षा अधिकारियों एवं प्राचार्यों के हितों की रक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

भीषण गर्मी के बावजूद अभिभावकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ संपन्न हुई पीटीएम

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा स्थित श्री लाल बहादुर शास्त्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का सफल आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के परीक्षा परिणाम एवं शैक्षणिक प्रगति की जानकारी प्राप्त करने के लिए विद्यालय पहुंचे। अभिभावकों के इस उत्साह एवं बच्चों की शिक्षा के प्रति उनकी जागरूकता की विद्यालय परिवार ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सोनिका धींगड़ा ने सभी अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय एवं अभिभावकों के आपसी सहयोग से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है। संस्था प्रभारी मुकेश भारद्वाज एवं संजय भारद्वाज ने कहा कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, संस्कार एवं आधुनिक शिक्षण पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

प्रेमनगर के युवाओं को सीबीएलयू से हटाए जाने पर पनप रहा रोष

- मांगे पूरी न होने तक धरने पर डटे रहने का लिया संकल्प
- अंतिम सांस तक करते रहेंगे संघर्ष अधिकारों के लिए संघर्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में प्रेम नगर के युवाओं को रोजगार में आरक्षण की मांग को लेकर ग्रामीणों द्वारा पिछले 5-6 वर्षों से चल रहे धरने पर उस समय और अधिक बल मिला जब धरनारत ग्रामीणों ने मांगे पूरी होने या अंतिम सांस तक धरने पर डटे रहने की प्रतिज्ञा की। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के आगे ग्रामीणों द्वारा चलाए जा रहे धरने की अध्यक्षता एडवोकेट एवं पूर्व सरपंच सदीप मल्हान ने की। उन्होंने धरनारत ग्रामीणों से करो या मरो का आहवान किया। उन्होंने चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय द्वारा गांव के युवाओं को नौकरी से हटाने पर विश्वविद्यालय और हरियाणा सरकार के प्रति नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि 131 एकड़ जमीन जो विश्वविद्यालय को निःशुल्क दी गई है। इस अवसर पर धरना समिति के प्रधान कैप्टन कलम सिंह, संदीप ढांडा, योगेन्द्र ढांडा, जसबीर, साहिल, विक्की, जयबीर सिंह, राजपाल प्रधान, बानिया, छात्र नेता प्रवीन बूरा, दीपक आदि रहे।

भिवानी। प्रेमनगर में आयोजित धरने पर उपस्थित ग्रामीण। *फोटो: हरिभूमि*

नीट में आरपीएस के 9 छात्र सफल

- सफल विद्यार्थियों में 7 छात्राएं और 2 छात्र शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

आरपीएस पब्लिक स्कूल, दादरी के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 के परिणाम अत्यंत गौरवपूर्ण रहे। विद्यालय के 9 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय, अभिभावकों और क्षेत्र का नाम रोशन किया। उल्लेखनीय है कि सफल विद्यार्थियों में 7 छात्राएं और 2 छात्र शामिल हैं, जिससे छात्राओं ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल है। आरपीएस समूह के सीईओ मनीष राव ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. मनोज यादव, प्रधानाचार्या संगीता यादव, वरिष्ठ समन्वयक अंकित बूरा, माध्यमिक विभागाध्यक्ष कोमल जैन, प्राथमिक विभागाध्यक्ष मुकेश लता तथा पूर्व प्राथमिक विभागाध्यक्ष मनोरमा शर्मा सहित समस्त शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और विद्यालय में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का परिणाम है।

एंजलीना ने प्राप्त किए 641 अंक

चरखी दादरी। दादरी की होनहार छात्रा एंजलीना ने नीट-यूजी परीक्षा में 641 अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। एंजलीना, डाइट बिरही कलां में इतिहास प्रवक्ता राजेश कुमार की पुत्री हैं। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं डाइट बिरही कलां के प्राचार्य धर्मेन्द्र चौधरी सहित पूरे डाइट परिवार ने एंजलीना और उनके परिवार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जिला शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि एंजलीना की सफलता जिले के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने विश्वास जताया कि एंजलीना अपनी प्रतिभा, मेहनत और समर्पण के बल पर चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक

चरखी दादरी। जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से दादरी पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत रविवार को स्थानीय रोज गार्डन में एंटी नार्कोटिक सेल, यातायात थाना, थाना शहर पुलिस और डायल-112 (ईआरवी) की संयुक्त टीम ने लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और नशे के खिलाफ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। इस दौरान यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक विक्रांत सिंह, एएसआई राहुल फौगाट, थाना शहर प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र तथा ईआरवी-112 की टीम ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

कार्यक्रम

'मन की बात' कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाएं : डॉ. अर्चना गुप्ता

संगठन की मजबूती से ही बूथ होंगे सशक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पंचायत भवन में भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में प्रदेशभर के शक्ति केंद्रों के साथ वर्चुअल मार्गदर्शन बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा ने भी संगठनात्मक विषयों पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर तक मजबूत संगठन है। प्रत्येक शक्ति केंद्र और प्रत्येक बूथ को सक्रिय एवं सशक्त बनाना सभी कार्यकर्ताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यक्रम को बूथ स्तर तक सफलतापूर्वक पहुंचाया जाए तथा कार्यकर्ता नियमित रूप से बूथ प्रवास और जनसंपर्क करें। उन्होंने आगामी 'मन की बात' कार्यक्रम के संबंध में भी कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक नागरिकों को इस कार्यक्रम से जोड़ा जाए और प्रत्येक बूथ पर इसकी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार समाज के हर वर्ग तक पहुंच सकें। प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है। संगठन की वास्तविक शक्ति बूथ और शक्ति केंद्र हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने दायित्व का पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ निर्वहन करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को गति देनी चाहिए तथा प्रत्येक शक्ति केंद्र को सक्रिय बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क और संवाद बनाए रखना चाहिए।इस अवसर पर भाजपा जिला प्रभारी रेनू डाबला ने कहा कि भाजपा की संगठनात्मक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और मजबूत बूथ व्यवस्था में निहित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भिवानी जिला संगठन प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में आगामी सभी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं 'मन की बात' कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करेगा।

भिवानी। वर्चुअल मीटिंग के दौरान दिशा निर्देश देते हुए भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता। *फोटो: हरिभूमि*

बैठक में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष नंद राम धानिया,पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर विक्रम सिंह , प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संदीप श्योराण, जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल, रेखा राघव,रवि महमिया,जिला उपाध्यक्ष राजेश जांगड़ा, सतबीर गुज्जर आदि उपस्थित रहे।